गुरु तेग बहादुर ने अन्याय के खिलाफ उठाई थी आवाज

महाविद्यालय में पौधारोपण करती उप प्राचार्या रोजी गुप्ता व अन्य। ● कालेज पीआरओ

जागरण संवाददाता, केथल : डा. भीम राव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर पौधारोपण कर त्रिवेणी लगाई गई। जिसमें नीम, बरगद और पीपल के पौधे शामिल थे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर ने मुगल साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए 24 नवंबर 1675 को अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर भी कहा जाता है। डा. सुनील गर्ग ने कहा कि गुरु जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी भी इंसान को न तो डराना चाहिए और न ही डरना चाहिए। कालेज की उप-प्राचार्या डा. रोजी गुप्ता ने कहा कि हमें गुरु तेग बहादुर के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए। मौके पर राहुल, सचिन, पंकज, जोनी, विकास, दीपक, गौरव, रोहित, सुमित, रवि, ऋतिक, रीतू, सिमरन, ज्योति और शिनू मौजूद थे।

युवा ही वर्तमान का निर्माता एवं भविष्य का नियामक : प्राचार्या सुनीता अरोड़ा

संगोष्ठी में संबोधित करते मुख्यवक्ता।

कैथल। आज डॉ. भीम राव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, कैथल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा यजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण व्यक्ति निर्माण से होता है। हमें अपने राष्ट्र की उन्नति के लिए क्रांतिकारियों और महापुरुषों के दिखाए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए । हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियाँ होती हैं। डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र उतना ही सुरक्षित है जितना की उसके युवाओं का चरित्र । इसलिए युवाओं के चरित्र निर्माण के बिना राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं । युवा उस जोश और कुछ कर गुजरने के भाव का साथ बड़ा होता है जो कुछ भी कर सकता है। इसलिए जब अभिवावक और अध्यापक दोनों साथ झ साथ मिलकर नई पीढ़ी का चरित्र निर्माण करते है तब सही मायने में एक मजबूत और उन्नत राष्ट्र उभर कर आता है। प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है, उनका मानना था कि नौजवान पीढ़ी अगर अपनी ऊर्जा और क्षमता का सही दिशा में उपयोग करें तो निश्चित ही राष्ट्र को एक नए मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। इस मौके पर स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार रखे। छात्र राहुल जांगड़ा ने कहा कि पूरे विश्व में भारत में सबसे ज्यादा युवा वर्ग है। वहीं सचिन सैणी ने कहा की आज के युवा को महापुरुषों की जीवनी पढ़कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए एवं उनके विचारों को अपने जीवन में उतरना चाहिए। इस अवसर पर डॉ. मेहर सिंह, प्रो. वीरेंदर खटकड़, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. अमित पाहवा और प्रो. सुभाष शर्मा आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए कुर्बान हुए गुरु तेग बहादुर : अभिषेक

कैथल, 24 नवंबर (प्रदीप हरित) : राजकीय महाविद्यालय कैथल के प्रांगण में आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस मौके पर पौधारोपण में त्रिवेणी लगाई गई जिसमें नीम, बरगद और पीपल के पौधे लगाए गए। संगोष्ठी में एन.एस.एस. कार्यक्र म अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर ने मुगल साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए 24 नवंबर 1675 को अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इसलिए उन्हें सम्मान के साथ 'हिंद दी चादर' भी कहा जाता है। डॉ. सुनील गर्ग ने कहा कि गुरु जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी भी इंसान को न तो डराना चाहिए और न ही डरना चाहिए। उन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी दी। कालेज की उप प्राचार्या डॉ. रोजी गुप्ता ने कहा कि हमें गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्तमान समय में उनके बलिदान की प्रासंगिकता को समझते हुए राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। एन.एस.एस. के स्वयं सेवक राहुल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी उनके बलिदान को नहीं भुला सकती। सचिन सैनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर देश और हिन्दू धर्म की खातिर शहादत देने वाले एक क्र ांतिकारी युग पुरुष थे।

त्रिवेणी लगाते हुए उप प्राचार्य व स्टाफ।

काक्र म में डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. सुनील गर्ग, सचिन, राहुल, पंकज, जोनी, विकास, दीपक, गौरव, रोहित, सुमित, रवि, ऋ तिक, ऋ तु, सिमरन, ज्योति और शिनू आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे।

किए जाएंगे। प्रसिद्ध समाजसेवी सहित सभी बस्ती वासी उपस्थित थे।

गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर त्रिवेणी लगाई

बलिदान दिवस पर त्रिवेणी लगाते हुए।

कैथल। आज राजकीय महाविद्यालय कैथल के प्रांगण में आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया और पौधारोपण में त्रिवेणी लगाई गई, जिसमे नीम, बरगद और पीपल के पौधे शामिल थे। संगोष्ठी में अपनी बात रखते हुए एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर ने मुगल साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई थी । उन्होंने हिन्दू धर्म की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए 24 नवंबर 1675 को अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर भी कहा जाता है । श्री गुरु तेग बहादुर को विश्व के इतिहास में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हैं।

डॉ. सुनील गर्ग ने कहा कि श्री गुरु जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी भी इंसान को न तो डराना चाहिए और न ही डरना चाहिए। उन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपनी कुबार्नी दी। माना जाता है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत दुनिया में मानव अधिकारों के लिए पहली शहादत थी । कॉलेज की उप झ प्राचार्या डॉ. रोजी गुप्ता ने कहा कि हमें गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्तमान समय में उनके बलिदान की प्रासंगिकता को समझते हुए राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। एन. एस. एस. के स्वयंसेवक राहुल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी उनके बलिदान को नहीं भुला सकती । उनके बलिदान की महत्ता को समझते हुए हमें देश के विकास के लिए जुट जाना चाहिए । सचिन सैनी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर देश और हिन्दू धर्म की खातिर शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे उन्होंने निराशा में डूबे हिन्दू समाज का मार्ग प्रशस्त किया । कार्क्रम में डॉ. अभिषेक गोयल, डॉ. सुनील गर्ग, सचिन, राहुल, पंकज, जोनी, विकास, दीपक, गौरव, रोहित, सुमित, रवि, ऋतिक, रीतू, सिमरन, ज्योति और शिनू आदि स्वयंसेवक मौजूद रहे ।

हिंदी महज भाषा नहीं है हिंदी देश का सम्मान है: नासीर

कैथल। राजकीय कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना और जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता कल आज और कल विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं टीवी चैनल के संपादक डॉ. नासिर कुरैशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। डॉ. नासिर कुरैशी का कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल प्रो. सुनीता अरोड़ा व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अकबर इलाहाबादी की शायरी सुनाकर पत्रकारिता का महत्व बताया। नासीर ने कहा कि हिंदी महज भाषा नहीं है हिंदी देश का अभिमान, गौरव और सम्मान है। पहले ऐसी धारणा थी कि अंग्रेजी पत्रकारिता ज्यादा प्रभावी है, लेकिन आजकल हम देखते हैं कि कई बार अंग्रेजी टीवी चैनल के पत्रकार भी एंकरिंग के दौरान हिंदी शब्दों का प्रयोग करते हैं। डॉ. नासीर कुरैशी ने कहा कि पत्रकारिता पर अपनी धारण या विचार न थोंपे। पत्रकार को हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। प्रिंसिपल डॉ. सुनीता अरोड़ा ने कहा कि पत्रकारिता के लिए संयम बहुत जरूरी है।

एनएसएस ने पूर्व संध्या पर शहीदों को किया याद

राजकीय महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते प्रो. विरेंद्र खटकड़। ● कालेज पीआरओ

कैथल (वि) : डा. भीम राव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हरियाणा शहीदी दिवस मनाया गया। जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम संयोजक और एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने कहा कि हम हरियाणा शहीदी दिवस 1857 की क्रांति में शहीद हुए राव तुलाराम और गुमनाम असंख्य शहीदों की याद में मनाते हैं।

इस मौके पर डा. मेहर सिंह ने कहा कि हम आज खुले वातावरण में सांस ले रहें हैं तो इन शहीदों की बदौलत ले रहे हैं। युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानियों के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। डा. सुभाष शर्मा ने भी रागिनी सौ-सौ पड़े, मुसीबत बेटा उम्र जवान मैं सुनाकर शहीदों को याद किया।

इस अवसर पर प्रो. पूनम रानी ने कहा कि 1857 की क्रांति में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। स्वयंसेवक पंकज, सचिन, विकास, गौरव और राहुल ने देश भक्ति गीत सुना युवाओं में जोश और उमंग का संचार कर दिया।

दैनिक भास्कर

कैथल भास्कर 16-11-2021

राष्ट्रहित व समाज के लिए कार्य करें युवा: आनंद मोहन

डॉ. बीआर कॉलेज में लगाया एक दिवसीय एनएसएस कैंप,पार्कों में सफाई व पौधारोपण किया

भास्कर न्यूज़ | गुहला चीका

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय कैंप लगाया गया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि स्वयंसेवकों ने कॉलेज प्रांगण, पार्किंग स्थल और पार्कों की साफ-सफाई की। स्वयंसेविकाओं ने पौधों की क्यारियां बनाई व गमलों की निराई-गुड़ाई की और स्वयंसेवकों ने खरपतवार को उखाड़ा और कॉलेज को पॉलीथिन मुक्त किया। कैंप में 90 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

शिविर में आए स्वयंसेवकों से हरियाणा सरकार के प्रधान सचिव आनंद मोहन शरण ने मुलाकात की। आनंद मोहन ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रहित व समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सभी अपने कॉलेज, मोहल्लों व आस-पास को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए कार्य करें। प्रधान सचिव ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों और कॉलेज स्तर पर होने वाली सभी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए, जी जान से उसे प्राप्त करने प्रयास करना चाहिए। कॉलेज प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने कहा कि युवा राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी है और युवा जितना सशक्त होगा राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा इसलिए युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए जुट जाना चाहिए। शिविर में राहुल जांगड़ा, सचिन सैनी, गौरव, विकास, पंकज, आशीष, मनीषा, आरती, रितिका, नेहा, दीक्षा ने भाग लिया।

विद्यार्थियों को दी विज्ञान व गणित विषयों की

आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग क

कार्यक्रम

हरियाणा शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर शहीदों को याद किया

शहीदों को नमन है हरियाणा शहीदी दिवसः डॉ. अभिषेक गोयल

आज समाज नेटवर्क

कैथल। डॉ. बीआर अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय, कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में हरियाणा शहीदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। जिसमें एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया।

कार्यक्रम संयोजक और एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि हम हरियाणा शहीदी दिवस 1857 की क्रांति में शहीद हुए राव तुलाराम जी और गुमनाम असंख्य शहीदों की याद में मनाते है। इसके साथ-साथ डॉ. अभिषेक गोयल ने एनएसएस दिवस के बारे में बताया कि 24 सितंबर 1969 को राष्ट्रीय सेवा योजना को आरंभ किया गया था जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा देने और युवाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डॉ. मेहर सिंह ने कहा कि हम आज खुले वातावरण में सांस ले रहें है, तो इन शहीदों की बदौलत ले रहें है और युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानियों के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। डॉ. सुभाष शर्मा ने भी रागिनी सौ-सौ पड़े मुसीबत बेटा उम्र जवान मैं सुनाकर शहीदों को याद किया। प्रो. विरेंद्र खटकड़ ने भी सन 1857 की क्रांति में शहीद गांव के लोगों की कुर्बानियों के बारें में बताया।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्य वक्ता और उपस्थित अन्य अध्यापकगण। आज समाज

इस अवसर पर प्रो. पूनम रानी ने कहा कि 1857 की क्रांति में महिलाओं ने भी बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल जैसी न जाने कितनी ही वीरांगनाओं ने अपना सर्वस्व देश पर लुटा दिया। स्वयंसेवक फंकज, सचिन, विकास, गौरव और राहुल ने देश भक्ति गीत सुना युवाओं में जोश और उमंग का संचार कर दिया। इस अवसर पर श्री भगवान, लैब सहायक राम भगत एंव राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक आदि उपस्थित रहे।

1857 की क्रांति पर आधारित डॉक्यूमेंट्री दिखाई: इस अवसर पर डॉ. अभिषेक गोयल द्वारा निर्देशित 1857 की क्रांति पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई । जिसमे हरियाणा के अनेक गुमनाम शहीदों की कुर्बानियों और बलिदानों के बारें में बताया गया था।

: आलोक मेहता
: अजय गुप्त
: अमित गुप्ता*

प्रकाशक, मुद्रक एवं कार्यकारी निदेशक राकेश शर्मा द्वारा मै. गुड्डमार्निंग इंडिया मीडिया प्रा. लिमिटेड के लिए गांव सद्दोपुर स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल के सामने, अम्बाला-चंडीगढ़ हाइवे, अम्बाला-134004, हरियाणा से मुद्रित कराकर, गांव सद्दोपुर स्प्रिंग फील्ड पब्लिक स्कूल के सामने अम्बाला-चंडीगढ़ हाइवे, अम्बाला-134004 हरियाणा से प्रकाशित।

* पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत लगाया शिविर

कैथल। डॉ. भीम राव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि स्वयंसेवकों ने कॉलेज प्रांगण, पार्किंग स्थल और पार्कों की साफ सफाई की। स्वयंसेविकाओं ने पौधों की क्यारियां बनाई व गमलों की निराई गुड़ाई की और स्वयंसेवकों ने खरपतवार को उखाड़ा। इस शिविर में 90 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। कॉलेज प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते कहा कि युवा राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी है। शिविर में राहुल जांगड़ा, सचिन सैनी, गौरव, विकास, पंकज, आशीष, मनीषा, आरती, रितिका, नेहा, दीक्षा सहित कई स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संवाद

दैनिक भास्कर

कैथल भास्कर 15-09-2021

कैथल

पत्रकारिता में कलम सही न चले तो बंदूक की गोली से भी ज्यादा खतरनाक : डॉ. नासीर

डॉ. भीमराव अंबेडकर सरकारी कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस पर सेमिनार

भास्कर न्यूज | कैथल

डॉ. भीमराव अंबेडकर सरकारी कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस पर सेमिनार का आयोजन किया। ये कार्यक्रम एनएसएस और जन संचार विभाग ने संयुक्त रूप से करवाया। सेमिनार का विषय हिंदी पत्रकारिता कल, आज और कल रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. नासिर कुरैशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। डॉ. नासिर कुरैशी का कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल प्रो. सुनीता अरोड़ा व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अकबर इलाहाबादी की शायरी सुनाकर पत्रकारिता का महत्व बताया। जिसमें कहा गया है कि खींचों न कमानों को न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। इसके बाद नासिर कुरैशी ने भी विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता के महत्व के बारे में बताया और अपना अनुभव सांझा किए। नासीर ने कहा कि हिंदी महज भाषा नहीं है। हिंदी देश का अभिमान, गौरव और सम्मान है।

कैथल। राजकीय कॉलेज में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यवक्ता डॉ. नासिर कुरैशी को स्मृति चिन्ह देते प्रिंसिपल व स्टाफ सदस्य।

डॉ. नासीर कुरैशी ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता पर अपनी धारण या विचार न थोंपे। पत्रकार को हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। पत्रकार का काम सिर्फ सूचनाएं पहुंचाना नहीं है, समाज को बेहतर बनाना हमारी जिम्मेदारी है। अकबर इलाहाबादी ने अपनी शायरी में तलवार और तोपों से ज्यादा कलम को ताकतवर बताया है। पत्रकार को अपनी कलम सही चलानी चाहिए। कलम सही न चले तो यह बंदूक की गोली से भी खतरनाक है। बंदूक की गोली जिसको लगती है उसे नुकसान पहुंचती है, लेकिन गलत चली कलम का कहां तक और कितना नुकसान होगा इसका आंकलन भी नहीं किया जा सकता।

वक्ता से जरूरी है अच्छे श्रोता बनें. डॉ. सुनीता

प्रिंसिपल डॉ. सुनीता अरोड़ा ने कहा कि पत्रकारिता के लिए संयम बहुत जरूरी है। एक अच्छे वक्ता के साथ अच्छे श्रोता बनना भी जरूरी है। आजकल सोशल मीडिया पर कोई कुछ भी टिप्पणी कर देता है। टिप्पणी करने से पहले उसके अच्छे बुरे परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. सुभाष शर्मा, प्रो. विरेंद्र खटकड़, प्रो. मेहर सिंह, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. सुशील शर्मा, प्रयोगशाला सहायक रामभगत मौजूद रहे।

सम्मान

डॉ. भीमराव आंबेडकर राजकीय कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस आयोजित कार्यक्रम

उत्कृष्ट योगदान के लिए शमशेर शर्मा को किया सम्मानित

संवाद न्यूज एजेंसी

कैथल। डॉ. भीमराव आंबेडकर राजकीय कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना और जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता कल आज और कल विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. नासिर कुरैशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। डॉ. नासिर कुरैशी का कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा और स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया।

डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अकबर इलाहाबादी की शायरी सुनाकर पत्रकारिता का महत्व बताया। जिसमें कहा गया है कि खींचों न कमानों को न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। इसके बाद नासिर कुरैशी ने भी विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता के महत्व के बारे में बताया और अपना अनुभव साझा किए।

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्यअतिथि व स्टाफ सदस्य। संवाद

उन्होंने कहा कि आजकल हम देखते हैं कि कई बार अंग्रेजी टीवी चैनल के पत्रकार भी एंकरिंग के दौरान हिंदी शब्दों का प्रयोग करते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि देश की राष्ट्रभाषा को दरकिनार करके लोगों की भावनाओं के साथ नहीं जुड़ा जा सकता।

इस अवसर पर प्रो. सुभाष शर्मा, प्रो. विरेंद्र खटकड़, प्रो. मेहर सिंह, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. सुशील शर्मा, प्रयोगशाला सहायक रामभगत मौजूद रहे।

युवा ही वर्तमान का निर्माता एवं भविष्य का नियामक : सुनीता अरोड़ा

राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी : दिनेश कुमार

कैथल, 30 अक्टूबर (प्रदीप हरित) : राजकीय महाविद्यालय कैथल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार रहे। दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण व्यक्ति निर्माण से होता है। डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र उतना ही सुरक्षित है जितना की उसके युवाओं का चिरत्र। इसलिए युवाओं के चिरत्र निर्माण के बिना राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं। प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है, उनका मानना था कि नौजवान पीढ़ी अगर अपनी ऊर्जा और क्षमता का सही दिशा में उपयोग करें तो निश्चित ही राष्ट्र को एक नए मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है क्योंकि युवा ही वर्तमान का निर्माता एवं भविष्य का नियामक होता है। छात्र राहुल जांगड़ा ने कहा कि पूरे विश्व में भारत में सबसे ज्यादा युवा वर्ग है। सचिन सैणी ने कहा कि आज के युवा को महापुरुषों की जीवनी पढ़कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. मेहर सिंह, प्रो. बीरेंदर खटकड़, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. अमति पाहवा और प्रो. सुभाष शर्मा आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

मुख्य वक्ता को सम्मानित करते हुए सुनीता अरोड़ा।

दैनिक भास्कर

कैथल भास्कर 31-10-2021

राष्ट्र की तरक्की तभी संभव, जब युवा सशक्त बनेगाः दिनेश कुमार

राजकीय कॉलेज में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी

भास्कर न्यूज | कैथल

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी की गई। अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार ने शिरकत की। मुख्य वक्ता दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण व्यक्ति निर्माण से होता है। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। राष्ट्र तभी तरक्की करेगा जब युवा जागेगा, सशक्त बनेगा और राष्ट्र चिंतन करेगा। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र उतना ही सुरक्षित है जितना कि उसके युवाओं का चरित्र है। प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है। छात्र राहुल जांगड़ा ने कहा कि पूरे विश्व में भारत में सबसे ज्यादा युवा वर्ग है। युवाओं के बिना किसी भी राष्ट्र के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। मौके पर डॉ. मेहर सिंह, प्रो. वीरेंदर खटकड़, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. अमित पाहवा और प्रो. सुभाष शर्मा मौजूद रहे।

कैथल | संगोष्ठी में मुख्यातिथि का सम्मान करते कॉलेज स्टाफ सदस्य।

'युवा वर्तमान का निर्माता एवं भविष्य का नियामक : सुनीता'

कैथल, 30 अक्तूबर (मित्तल): डा. भीम राव आम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज की कार्यवाहक प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के दौरान मुख्य वक्ता दिनेश कुमार को सम्मानित करती कालेज की कार्यवाहक प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा व अन्य। (मित्तल)

मुख्य वक्ता दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण, व्यक्ति निर्माण से होता है। हमें अपने राष्ट्र की उन्नति के लिए क्रांतिकारियों और महापुरुषों के दिखाए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियां होती हैं। डा. अभिषेक गोयल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र उतना ही सुरक्षित है, जितना की उसके युवाओं का चरित्र। इसलिए युवाओं के चरित्र निर्माण के बिना राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं। युवा कुछ कर गुजरने के भाव के साथ बड़ा होता है, इसलिए जब अभिभावक और अध्यापक दोनों साथ-साथ मिलकर नई पीढ़ी का चरित्र निर्माण करते है, तब सही मायने में एक मजबूत और उन्नत राष्ट्र उभर कर आता है।

कालेज की कार्यवाहक प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है। उनका मानना था कि नौजवान पीढ़ी अगर अपनी ऊर्जा और क्षमता का सही दिशा में उपयोग करें, तो निश्चित ही राष्ट्र को एक नए मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है, क्योंकि युवा ही वर्तमान का निर्माता एवं भविष्य का नियामक होता है।

इस मौके पर स्वयंसेवकों ने भी अपने विचार रखे। छात्र राहुल जांगड़ा ने कहा कि युवाओं के बिना किसी भी राष्ट्र के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। वहीं सचिन सैणी ने कहा कि आज के युवा को महापुरुषों की जीवनी पढ़कर उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए एवं उनके विचारों को अपने जीवन में उतरना चाहिए। इस अवसर पर डा. मेहर सिंह, प्रो. वीरेंद्र खटकड़, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. अमित पाहवा और प्रो. सुभाष शर्मा आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

युवा ही है वर्तमान का निर्माता

कैथल (वि) : डा. भीमराव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव बैनर तले राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कालेज प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार रहे। सुनीता अरोड़ा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना है। इस मौके पर डा. मेहर सिंह, प्रो. वीरेंद्र खटकड़, प्रो. अशोक शर्मा, प्रो. अमित पाहवा, प्रो. सुभाष शर्मा मौजूद थे।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्राध्यापक। (सतीश भराड़ा)

हरियाणा शहीदी दिवस पर असंख्य शहीदों को नमन : डॉ. अभिषेक

कैथल, 22 सितंबर (प्रदीप हरित) : राजकीय महाविद्यालय कैथल में आज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में हरियाणा शहीदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक और एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि हम हरियाणा शहीदी दिवस 1857 की क्रांति में शहीद हुए राव तुलाराम और गुमनाम असंख्य शहीदों की याद में मनाते हैं। इसके साथ साथ डॉ. अभिषेक गोयल ने एन.एस.एस. दिवस के बारे में बताया कि 24 सितंबर 1969 को राष्ट्रीय सेवा योजना को आरंभ किया गया था जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा देने और युवाओं के सवार्गीण विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डॉ. मेहर सिंह ने कहा कि हम आज खुले वातावरण में सांस ले रहें हैं तो इन शहीदों की बदौलत ले रहें हैं और युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानियों के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। डॉ. सुभाष शर्मा ने भी रागिनी सुनाकर शहीदों को याद किया। प्रो. विरेंद्र खटकड़ ने भी सन 1857 की क्रांति में राह्लोत गांव के लोगों की कुर्बानियों के बारें में बताया। इस अवसर पर प्रो. पूनम रानी ने कहा कि 1857 की क्रांति में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल जैसी न जाने कितनी ही वीरांगनाओं ने अपना सर्वस्व देश पर लुटा दिया। स्वयंसेवक पंकज, सचिन, विकास, गौरव और राहुल ने देश भक्ति गीत सुना युवाओं में जोश और उमंग का संचार कर दिया। इस अवसर पर श्रीभगवान, लैब सहायक राम भगत एंव राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक आदि उपस्थित रहे। डॉ. अभिषेक गोयल द्वारा निर्देशित 1857 की क्रांति पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत लगे शिविर में चलाया सफाई अभियान

कैथल (वि) : डा. भीम राव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर लगाया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओं ने सफाई अभियान चलाया। जिसके तहत पौधों की क्यारियां बनाई व गमलों की निराई गुड़ाई की। इस शिविर में 90 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शिविर में आए स्वयंसेवकों से उच्चतर शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने मुलाकात की। आनंद मोहन ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रहित व समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वयंसेवकों से आह्वान करते हुए कहा कि सभी अपने कालेज, मोहल्लों व आस-पास को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित कर जान से उसे प्राप्त करने प्रयास करना चाहिए। प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने स्वयंसेवकों ने कहा कि युवा राष्ट्र की रीढ़ की हड्डी है। कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने बताया कि स्वयंसेवकों ने कालेज प्रांगण, पार्किंग स्थल और पार्कों की साफ सफाई की। शिविर में राहुल जांगड़ा, सचिन सैनी, गौरव, विकास, पंकज, ने भाग लिया।

राष्ट्र की सफलता का आधार युवा पीढ़ी : दिनेश कुमार

कैथल। डॉ. भीम राव आंबेडकर राजकीय महाविद्यालय में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या प्रो. सुनीता अरोड़ा ने की। इसमें मुख्य वक्ता के तौर पर हरियाणा विधानसभा के मीडिया और संचार अधिकारी दिनेश कुमार ने शिरकत की। मुख्य वक्ता दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्र निर्माण व्यक्ति निर्माण से होता है। हमें अपने राष्ट्र की उन्नति के लिए क्रांतिकारियों और महापुरुषों के दिखाए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। हर राष्ट्र की सफलता का आधार उसकी युवा पीढ़ी और उनकी उपलब्धियां होती हैं। राष्ट्र का भविष्य युवाओं के सर्वांगीण विकास में निहित है। राष्ट्र तभी तरक्की करेगा जब युवा जागेगा, सशक्त बनेगा और राष्ट्र चिंतन करेगा। कार्यक्रम के संयोजक और राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने कहा कि कोई भी राष्ट्र उतना ही सुरक्षित है जितना की उसके युवाओं का चरित्र। संवाद

गोष्ठी में उपस्थित प्राचार्या व स्टाफ। संवाद

डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी पत्रकारिता कल आज और कल विषय पर सेमिनार आयोजित

आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान : डॉ. अभिषेक

कैथल। डॉ. भीमराव अंबेडकर राजकीय कॉलेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना और जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता कल आज और कल विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं टीवी चैनल के संपादक डॉ. नासिर कुरैशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की।

डॉ. नासिर कुरैशी का कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल प्रो. सुनीता अरोड़ा व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अकबर इलाहाबादी की शायरी सुनाकर

पत्रकारिता का महत्व बताया। जिसमें कहा गया है कि खींचो न कमानों को न तलवार निकालो, जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो। इसके बाद नासिर कुरैशी ने भी विद्यार्थियों को हिंदी पत्रकारिता के महत्व के बारे में बताया और अपना अनुभव साझा किये। नासीर ने कहा कि हिंदी महज भाषा नहीं है। हिंदी देश का अभिमान, गौरव और सम्मान है। पहले ऐसी धारणा थी कि अंग्रेजी पत्रकारिता ज्यादा प्रभावी है, लेकिन आजकल हम देखते है कि कई बार अंग्रेजी टीवी चैनल के पत्रकार भी एंकरिंग के दौरान हिंदी शब्दों का प्रयोग करते हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि देश की राष्ट्रभाषा को दरकिनार करके लोगों की भावनाओं के साथ नहीं जुड़ा जा सकता। 30 मई 1826 को हिंदी का पहला अखबार उदन्त मार्तण्ड प्रकाशित हुआ था। जो अगले ही साल 1827 को आर्थिक तंगी के कारण बंद हो गया था। क्योंकि पत्रकारिता क्षेत्र में उस समय भी चुनौतियां थी और आज भी हैं। आजादी की लड़ाई में हिंदी पत्रकारिता का अहम योगदान रहा। पत्रकारिता ने लोगों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया था। आज बड़ी संख्या में हिंदी के अखबार, पत्रिका व टीवी चैनल हैं और सभी का अपना महत्व है।

जब टीवी चैनलों की शुरूआत हुई तो लगा था कि अखबार समाप्त हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं है। आज भी अखबारों का उतना ही महत्व है जितना पहले था। अखबारों के साथ करोड़ों पाठक जुड़े हुए हैं।

निष्पक्ष हो पत्रकारिता : डॉ. नासीर

डॉ. नासीर कुरैशी ने पत्रकारिता के विद्यार्थियों संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता पर अपनी धारण व विचार न थोपें। पत्रकार को हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। पत्रकार का काम सिर्फ सूचनाएं पहुंचाना नहीं है, समाज को बेहतर बनाना हमारी जिम्मेदारी है। पत्रकारों पर हमेशा ही दबाव रहा है, लेकिन सच्चाई के साथ खड़े रहना चाहिए। अकबर इलाहाबादी ने अपनी शायरी में तलवार और तोपों से ज्यादा कलम को ताकतवर बताया है। पत्रकार को अपनी कलम सही चलानी चाहिए। कलम सही न चले तो यह बंदूक की गोली से भी खतरनाक है। बंदूक की गोली जिसको लगती है उसे नुकसान पहुंचती है, लेकिन गलत चली कलम का कहां तक और कितना नुकसान होगा इसका आंकलन भी नहीं किया जा सकता।

वक्ता से जरुरी है अच्छे श्रोता बनें : अरोड़ा

प्रिंसिपल डॉ. सुनीता अरोड़ा ने कहा कि पत्रकारिता के लिए संयम बहुत जरुरी है। एक अच्छे वक्ता के साथ अच्छे श्रोता बनना भी जरुरी है। आजकल सोशल मीडिया पर कोई कुछ भी टिप्पणी कर देता है। टिप्पणी करने से पहले उसके अच्छे बुरे परिणाम के बारे में सोचना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. सुभाष शर्मा, प्रो. विरेंद्र खटकड़, प्रो. मेहर सिंह, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. सुशील शर्मा, प्रयोगशाला सहायक रामभगत मौजूद रहे।

'वीर शहीदी दिवस असंख्य शहीदों को नमन करने का दिवस है : डा. अभिषेक गोयल'

कैथल, 22 सितंबर (मित्तल) : डा. बी.आर.अ बेदकर राजकीय महाविद्यालय कैथल में वीर शहीदी दिवस की पूर्व संध्या पर आज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की शृंखला में वीर शहीदी दिवस और राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस मनाया गया, जिसमें एन.एस.एस.के स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम संयोजक और एन.एस.एस.के कार्यक्रम अधिकारी डा. अभिषेक गोयल ने कहा कि हम वीर शहीदी दिवस सन् 1857 की क्रांति में शहीद हुए राव तुलाराम जी और गुमनाम असंख्य शहीदों की याद में मनाते हैं। इसके साथ-साथ डा. अभिषेक गोयल ने एन.एस.एस. दिवस के बारे में बताया कि 24 सितम्बर 1969 को राष्ट्रीय सेवा योजना को आरंभ किया गया था, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना को बढ़ावा देने और युवाओं के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर डा. मेहर सिंह ने कहा कि हम आज खुले वातावरण में सांस ले रहे हैं, तो इन शहीदों की बदौलत ले रहें हैं और युवाओं को महान स्वतंत्रता सेनानियों के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। डा. सुभाष शर्मा ने भी रागिनी सौ-सौ पड़े, मुसीबत बेटा, उम्र जवान मैं, सुनाकर शहीदों को याद किया। प्रो. विरेंद्र खटकड़ ने सन् 1857 की क्रांति में राहनोत गांव के लोगों की कुर्बानियों के बारे में बताया।

राजकीय कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने विचार प्रकट करते प्रो. विरेंद्र खटकड़। (मित्तल)

इस अवसर पर प्रो. पूनम रानी ने कहा कि सन् 1857 की क्रांति में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। रानी लक्ष्मीबाई और बेगम हजरत महल जैसी न जाने कितनी ही वीरांगनाओं ने अपना सर्वस्व देश पर कुर्बान कर दिया। स्वयंसेवक पंकज, सचिन, विकास, गौरव और राहुल ने देश भक्ति गीत सुनाकर युवाओं में जोश और उमंग का संचार कर दिया। इस अवसर पर श्रीभगवान, लैब सहायक रामभगत एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक आदि उपस्थित रहे।

सन् 1857 की क्रांति पर आधारित दिखाई डाक्यूमेंट्री

राजकीय कालेज में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान डा. अभिषेक गोयल द्वारा निर्देशित सन् 1857 की क्रांति पर आधारित एक डाक्यूमेंट्री भी दिखाई गई, जिसमें हरियाणा के अनेक गुमनाम शहीदों की कुर्बानियों और बलिदानों के बारे में बताया गया था।

दैनिक सवेरा

पत्रकारिता पर अपनी धारणा या विचार न थौंपे पत्रकार : नासीर

कैथल, 14 सितंबर (प्रदीप हरित) : राजकीय कालेज जगदीशपुरा में हिंदी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना और जनसंचार विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी पत्रकारिता कल आज और कल विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार एवं टीवी चैनल के संपादक डॉ. नासिर कुरैशी ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की। डॉ. नासिर कुरैशी का कॉलेज पहुंचने पर प्रिंसिपल प्रो. सुनीता अरोड़ा व स्टाफ सदस्यों ने स्वागत किया। डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में पत्रकारिता का अहम योगदान रहा है। उन्होंने अकबर इलाहाबादी की शायरी सुनाकर पत्रकारिता का महत्व बताया। नासीर ने कहा कि हिंदी महज भाषा नहीं है हिंदी देश का अभिमान, गौरव और सम्मान है। पहले ऐसी धारणा थी कि अंग्रेजी पत्रकारिता ज्यादा प्रभावी है, लेकिन आजकल हम देखते हैं कि कई बार अंग्रेजी टीवी चैनल के पत्रकार भी एंकरिंग के दौरान हिंदी शब्दों का प्रयोग करते हैं। डॉ. नासीर कुरैशी ने कहा कि पत्रकारिता पर अपनी धारण या विचार न थोंपे। पत्रकार को हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। प्रिंसिपल डॉ. सुनीता अरोड़ा ने कहा कि पत्रकारिता के लिए संयम बहुत जरुरी है। एक अच्छे वक्ता के साथ अच्छे श्रोता बनना भी जरुरी है। कार्यक्रम में प्रो. सुभाष शर्मा, प्रो. विरेंद्र खटकड़, प्रो. मेहर सिंह, प्रो. सुशील कुमार, प्रो. सुशील शर्मा, प्रयोगशाला सहायक रामभगत मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रिंसीपल।

भास्कर न्यूज़ | कैथल

राजकीय महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव शृंखला में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही पौधारोपण में त्रिवेणी लगाई गई जिसमें नीम, बरगद और पीपल के पौधे शामिल थे। संगोष्ठी में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी ने मुगल साम्राज्य के अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा के लिए 24 नवंबर 1675 को अपने प्राणों का बलिदान दे दिया इसलिए उन्हें सम्मान के साथ हिंद दी चादर भी कहा जाता है। श्री गुरु तेग बहादुर को विश्व के इतिहास में सर्वोच्च स्थान प्राप्त हैं। डॉ. सुनील गर्ग ने कहा कि श्री गुरु जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी भी इंसान को न तो डराना चाहिए और न ही डरना चाहिए। उन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी दी। माना जाता है कि श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत दुनिया में मानव अधिकारों के लिए पहली शहादत थी। उप-प्राचार्या डॉ. रोजी गुप्ता ने कहा कि हमें गुरु तेग बहादुर के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए और वर्तमान समय में उनके बलिदान की प्रासंगिकता को समझते हुए राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए। एनएसएस के स्वयं सेवक राहुल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी उनके बलिदान को नहीं भुला सकती। उनके बलिदान की महत्ता को समझते हुए हमें देश के विकास के लिए जुट जाना चाहिए। सचिन सैनी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी देश और हिंदू धर्म की खातिर शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरुष थे। उन्होंने निराशा में डूबे हिंदू समाज का मार्ग प्रशस्त किया। इस मौके पर स्वयंसेवक राहुल, पंकज, जोनी, विकास, दीपक, गौरव, रोहित, सुमित, रवि, ऋतिक, रीतू, सिमरन, ज्योति व शिनू मौजूद रहे।

कैथल। राजकीय कॉलेज में गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस पर संगोष्ठी में संबोधित करते वक्ता।